वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 | अंक : 293 | शनिवार 18 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

आप सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सांभर में उमड़ा सैलानियों का सैलाब

फेस्टिवल का हुआ दिव्य, भव्य एवं रंगारंग आगाज, जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने किया उद्घाटन

तीन दिवसीय महोत्सव में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पक्षियों का पूरा ध्यान रखते हुये सैलानियों के लिए खास आयोजन किये जा रहे हैं। सैलानी स्टार नाइट गेजिंग इवेंट के तहत रात को सांभर के साफ आसमान में तारों को निहार कर खुद को रोमांचित महसूस कर रहे हैं।

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांभर फेस्टिवल प्रदेश के पर्यटन फलक पर ध्रुव तारे की तरह उभरेगा, जो कि ना केवल मरुधरा में सैलानियों को आकर्षित करेगा बल्कि राजस्थान में पर्यटन उद्योग को नई बुलंदियों तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा करेगा। यह कहना है जिला कलक्टर श्री प्रकाश राजपुरोहित का। उन्होंने शुक्रवार को बहुप्रतीक्षित सांभर फेस्टिवल का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय महोत्सव में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पक्षियों का पूरा ध्यान रखते हुये सैलानियों के लिए खास आयोजन किये जा रहे हैं। सैलानी स्टार नाइट गेजिंग इवेंट के तहत रात को सांभर के साफ आसमान में तारों को निहार कर खुद को रोमांचित महसूस कर रहे हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) अशोक शर्मा ने बताया कि फेस्टिवल की शुरूआत बाइक रैली के साथ हुई। यह एडवेंचर राइड जयपुर स्थित होटल खासा कोठी से शुरू होकर सांभर झील के किनारे पहुंची। महोत्सव के पहले दिन आर्ट एण्ड क्राफ्ट स्टॉल्स एवं फोटोग्राफी एग्जिबिशन, कैमल राइड, फैंसी काइट फेस्टिवल, एडवेंचर एक्टिविटी जैसे पैरासीलिंग और एटीवीस साइकिलिंग, लोक कलाकारों द्वारा स्ट्रीट परफॉर्मेंस, साल्ट लेक और सांभर टाउन का सीन व्यू, बर्ड वॉचिंग, सांभर साल्ट ट्रेन राइड, सांभर के इतिहास पर टॉक शो, ट्रेकिंग, शाकम्भरी माता की महाआरती,

भजन संध्या और आतिशबाजी (रामलीला मंच) और एस्ट्रो टूरिज्म आदि कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

आज जस्सू खान होंगे आकर्षण का केन्द्र

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि शनिवार, 18 फरवरी को जाने माने सूफी गायक जस्सू खान अपने फन का जादू बिखेरेंगे और इसी दिन शाम को दीपोत्सव कार्यक्रम के तहत देवयानी कुंड को 21 हजार दीपों से रोशन किया जाएगा।

चित्तौड़ की पुण्यधरा पर फिर पड़ेंगे पूज्य समकितमुनिजी म.सा. के पावन चरण

शनिवार को आजोलिया का खेड़ा औद्योगिक क्षेत्र एवं रविवार को शहर के खातरमहल में प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

चित्तौड़गढ़। वर्ष 2021 का एतिहासिक चातुर्मास सम्पन्न करने वाले श्रमण संघीय सलाहकार भीष्म पितामह पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता,प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के पावन चरण एक बार फिर चित्तौड़गढ़ की धरा पर होंगे। मेरठ से गत माह

पूना चातुर्मास के लिए विहार यात्रा पर निकले पूज्य समकितमुनिजी म.सा., प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा., गायनकुशल जयवंतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा शनिवार सुबह गंगरार से विहार कर आजोलिया का खेड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित पिस्ता मार्बल परिसर पहुंचेंगे। यहां भड़कत्या परिवार की ओर से वंदन-अभिनंदन किया जाएगा। सुबह 9 बजे से ह्यशिव धनुषह्न विषय पर पूज्य मुनिश्री के प्रवचन का आयोजन होगा। प्रवचन के बाद भड़कत्या परिवार की ओर से गौतमप्रसादी का आयोजन भी रखा गया है। पूज्य मुनिप्रवर दोपहर बाद विहार कर चंदेरिया पहुंचेंगे। इसके बाद 19 फरवरी रविवार सुबह चंदेरिया से विहार कर चित्तौड़गढ़ शहर स्थानक खातरमहल में पहुंचेंगे। यहां श्रीवर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्थान चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में पूज्य समकितमुनिजी म.सा. के सानिध्य में पूज्य गुरूदेव जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. की 127वीं दीक्षा जयंति सामायिक दिवस एवं गुणानुवाद सभा के रूप में मनाई जाएगी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

वो सफलता किस काम की, जो बुढ़ापे में, माँ बाप का सहारा भी ना बन सके

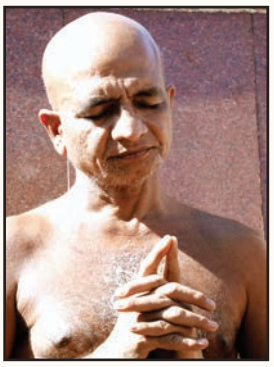

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। देश के ओजस्वी-यशस्वी माननीय प्रधान मन्त्री नरेंद्र मोदी जी ने, नेता सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जन्म जयंती पर कहा - कैन डू एण्ड विल डू कर सकता हूँ - करूंगा ही]। उन्होंने अनेक महापुरूषों की सफलता के राज बताये। किसी भी क्षेत्र में आपको सफल होना है तो 10 हजार घन्टे तक अभ्यास करना चाहिए। मुझे दिल्ली आने में बीसों वर्ष लग गये। चाय की शुरूआत आज विश्व की चाहत बन गई। सबकी चाहत बनने के लिये हमने अपने जीवन को सेवा, संकल्प, समर्पण, सदभाव, परिश्रम की अग्नि में झोक दिया। कंपोजर्स, बास्केट बॉल खिलाड़ी, आइस स्केटर्स, पियानो वादक, शतरंज खिलाड़ी या जो विशेषज्ञ हुये हैं, उन्होंने अपने कार्य क्षेत्र में 10 हजार घन्टे से अधिक मेहनत की है। कीर्तिमान स्थापित करने के लिये आप भी अपनी प्रतिभा का भरपूर उपयोग करो। व्यक्ति के पास चाहे जैसा हुनर हो, या प्रकृति प्रदत्त क्षमता हो,, सफलता के लिए दीर्घ अवधि तक, एक सही दिशा में की गई साधना की दरकार होती है। गुजरात के विख्यात गणितज्ञ प्रोफेसर एन. एम. शाह से पूछा - आपकी सफलता का राज क्या है-? उन्होंने कहा - 18 घन्टे प्रतिदिन 20 साल तक न कोई रविवार, ना कोई छुट्टी, ना विश्राम। विख्यात म्यूजिक कंपोजर से यही प्रश्न पूछा-? उन्होंने कहा - 8 घन्टे हर दिन 40 वर्ष तक।

घटयात्रा, ध्वजारोहण के साथ आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक महोत्सव शुरू

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ की हुई भव्य अगवानी, उमड़े श्रद्धालु, की गई मंडप शुद्धि, हुयी गर्भ कल्याणक पूर्वार्द्धि की क्रियाएँ, घटयात्रा व श्रीजी आगमन शोभा यात्रा में झूमे श्रद्धालु

ललितपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आदिनाथ अतिशय क्षेत्र गिरारगिरी विकासखंड मड़ावरा में चर्या शिरोमणि , आध्यात्मिक संत आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के विशाल संघ सान्निध्य में ब्र. जय कुमार जी निशांत, पंडित सनत कुमार विनोद कुमार जैन के प्रतिष्ठाचार्यत्व में आयोजित श्री 1008 मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक मानस्तम्भ जिनबिम्ब प्रतिष्ठा, विश्वशान्ति महायज्ञ एवं रथोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को विधि विधान के साथ हो गया है। प्रातः कालीन बेला में सर्व प्रथम पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति ने आचार्यश्री के चरणों में श्रीफल समर्पित कर गुरु आज्ञा प्राप्त की इसके बाद आचार्य निमंत्रण किया गया। महोत्सव में सान्निध्य प्रदान करने के लिए आध्यात्मिक संत चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का विशाल संघ सहित मंगल प्रवेश प्रातः बेला में हुआ। शुक्रवार को प्रातः बरायठा होते हुए आचार्यश्री सहित 27 पिच्छि धारी साधु गिरारगिरी में पहुँचने पर भव्य मंगल अगवानी की गई। आचार्यश्री के विशाल संघ की अगवानी के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन का अवसर प्रदीप जैन कामनी जैन इंदौर एवं शास्त्र भेंट चेतराम जैन कुसुमरानी बड़कुल शहपुरा-भिटौनी को प्राप्त हुआ। महोत्सव के पहले दिन गर्भ कल्याणक पूर्व रूप को श्रद्धा व विधि विधान के साथ मनाया गया। प्रातः 6.30 बजे से अभिषेक, शांतिधारा के बाद देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, तीर्थमण्डल पूजा के बाद घटयात्रा हुई। घटयात्रा में पंचकल्याणक महोत्सव के पात्र, महिलाएं पीले व केसरिया वस्त्रों में मस्तक पर कलश लेकर मंगलगान करती हुई चल रहीं थीं वहीं श्रीजी के आगमन का भव्य जुलूस अयोध्यानगरी कार्यक्रम स्थल पर पहुँचा। स्वयंसेवक बैण्ड बाजों की सुमधुर आवाज से वातावरण को पवित्र कर रहे थे। रथों पर श्रीजी सवार थे। बालिका मंडल की बालिकाएं भक्ति नृत्य करते हुए जयकारों से आकाश गुंजायमान कर रहीं थीं। इस मौके पर प्रदेश के राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ ने आयोजन में पहुंचकर आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया। महोत्सव समिति ने स्मृति चिन्ह भेंटकर उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद ध्वजारोहण-चेतराम-कुसुमरानी बड़कुल, अशोक सुषमा सिंघई शाहपुरा भिटौनी जिला जबलपुर ने विधि विधान के साथ किया। मंडप उदघाटन प्रदीप जैन-कामनी जैन, इंदौर ने किया। मीडिया प्रभारी डॉ सुनील संचय ने बताया कि सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, नान्दीविधान की क्रियाएं भगवान के माता पिता राजेश जैन श्रीमती रचना जैन नवकार कंप्यूटर (खुटगुआ वाले) मडावरा इंदौर, सौधर्मेन्द्र-सुनील कुमार जैन (मोनू) श्रीमती नेहा जैन बाम एपी स्पेशल परिवार बरायठा, कुबेर सुनील कुमार जैन चंदेरिया परिवार बरायठा, विधि नायक डॉक्टर बालचंद कमल कुमार, महायज्ञ नायक विनोद कुमार जैन चंदेरिया, यज्ञ नायक सिंघई आशीष जैन इंदौर, ईशानइंद्र प्रकाश चंद सिंघई, सनतकुमारइंद्र-राजेंद्र राजू, महेंद्रइंद्र- नीरज जैन शास्त्री, राजा श्रेयांस-आनंद जैन नागपुर,राजा सोम- दीपचंद व्या,भरत चक्रवर्ती-अभिषेक कुमार जैन (खुटगुआ वाले) दीपू चौधरी मडावरा, बाहुबली- प्रदीप जैन खुटगुवा, मड़ावरा, लांतव इंद्र- जिनेंद्र जैन गौना वाले मड़ावरा, कापिष्ठ-आशीष चौधरी मड़ावरा , महाशुक्र-कमल जैन मोनू खुटगुवा वाले मड़ावरा, शुक्रेन्द्र- अंकित कोठिया मड़ावरा, सतारेंद्र- इजी. विशेष जैन लुहारी सागर, आणतेन्द्र-कैलाशचंद्र विनेका, महामंडलेश्वर (8)- सिंघई प्रकाशचंद्र साढूमल, राजेश जैन रज्जू मड़ावरा, सेठ कमलेश लुहर्रा मड़ावरा, सुरेशचंद्र बरायठा, त्रिलोक जैन मड़ावरा, आशीष गौना मड़ावरा, विनोद जैन खुटगुवा वाले मड़ावरा , मुकेश सिलोनिया मड़ावरा आदि पंचकल्याणक महोत्सव के पात्रों द्वारा की गईं। दोपहर में यागमण्डल विधान श्रद्धा भक्ति के साथ किया गया। रात्रि में सौधर्मेन्द्र सभा, नगरी रचना, अष्टदेवी द्वारा माता की सेवा, सोलह स्वप्न व गर्भ कल्याणक की आंतरिक क्रियाएं की मंत्रोच्चार पूर्वक की गईं। समागत अतिथियों, समाज श्रेष्ठिगणों का स्वागत आयोजन समिति द्वारा सम्मान किया गया। पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा।

शनिवार को गर्भ कल्याणक के उत्तरार्द्ध की क्रियाएं की जाएंगी

महोत्सव के प्रचारमंत्री-मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील संचय ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को गर्भ कल्याणक के उत्तरार्द्ध को मनाया जाएगा जिसमें प्रातः 6 .15 बजे से अभिषेक, शांतिधारा, गर्भ कल्याणक की पूजा, 9 बजे से आचार्यश्री के प्रवचन, दोपहर 12.40 बजे से सीमंतनी क्रिया, माता की गोद भराई, शाम को महाआरती, रात्रि में महाराजा नाभिराय का दरबार, महारानी मरुदेवी का जागरण, अष्ट कुमारियों द्वारा भेंट समर्पण, सोलह स्वप्न का फल आदि मंचित किया जाएगा। मड़ावरा से गिरार जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। आयोजन को सफल बनाने में महोत्सव समिति, ट्रस्ट एवं प्रबन्धकारिणी समिति, स्वयंसेवी संगठनों आदि का योगदान रहा।

प्रदेश के राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ ने आयोजन में पहुंचकर आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया। महोत्सव समिति ने स्मृति चिन्ह भेंटकर उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद ध्वजारोहण-चेतराम-कुसुमरानी बड़कुल, अशोक सुषमा सिंघई शाहपुरा भिटौनी जिला जबलपुर ने विधि विधान के साथ किया। मंडप उदघाटन प्रदीप जैन-कामनी जैन, इंदौर ने किया।

वेद ज्ञान

जीवन में लक्ष्य जरूरी है...

हर मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है। लक्ष्य के बिना उसका जीवन व्यर्थ होता है।एक राहगीर ने एक संत से पूछा कि महाराज यह रास्ता कहां जाता है? संत ने जवाब दिया कि ये रास्ता कहीं नहीं जाता है। आप बताइए कि आपको कहां जाना है? व्यक्ति ने कहा कि महाराज मुझे मालूम ही नहीं है कि जाना कहां है। संत ने कहा कि जब कोई लक्ष्य ही नहीं है तो फिर रास्ता कोई भी हो उससे क्या फर्क पड़ता है, आप भटकते रहिए।जिस व्यक्ति के जीवन में कोई लक्ष्य नहीं होता वह अपनी जिंदगी तो जीता है, लेकिन वह इसी राहगीर की तरह यहां-वहां भटकता रहता है।दूसरी ओर जीवन में लक्ष्य होने से मनुष्य को मालूम होता है कि उसे किस दिशा की ओर जाना है।वास्तव में असली जीवन उसी का है जो परिस्थितियों को बदलने का साहस रखता है और अपना लक्ष्य निर्धारित करके अपनी राह खुद बनाता है। महात्मा गांधी कहते हैं कि कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना।जो कुछ करता है, वही सफल-असफल होता है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान अपनी क्षमताओं के अनुसार ही लक्ष्य तय करता है।विद्यार्थी के लिए परीक्षा में प्रथम आना तो नौकरी-पेशे वालों के लिए पदोन्नाति पाना, जबकि किसी गृहणी के लिए आत्मनिर्भर बनना उसका लक्ष्य हो सकता है। हालांकि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य तय करना चाहिए, लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए।जब हम छोटे-छोटे लक्ष्य रखते हैं और उन्हें हासिल करते हैं तो हममें बड़े लक्ष्यों को हासिल करने का आत्मविश्वास आ जाता है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी लक्ष्य के बारे में सोचो। स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए। फिर जुट जाओ, उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए। धुन सवार हो जानी चाहिए आपको। सफलता अवश्य आपके कदम चूमेगी। असल में जब आप कोई कर्म करते हैं तो जरूरी नहीं कि आपको सफलता मिल ही जाए, लेकिन आपको असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। अगर बार-बार भी असफलता हाथ आती है तो भी आपको निराश नहीं होना है।इस बारे में विवेकानंद कहते हैं, एक हजार बार प्रयास करने के बाद यदि आप हार कर गिर पड़े हैं तो एक बार फिर से उठें और प्रयास करें।

संपादकीय

विकास और पर्यावरण में संतुलन

सर्वोच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में एक रेलवे उपरिपुल के निर्माण के खिलाफ लंबित याचिका को खारिज करते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा महत्त्वपूर्ण है, लेकिन मानव जीवन की अहमियत भी उससे कम नहीं है। इस फैसले का संदर्भ यह कि बंगाल में जिस रेलवे पारपथ पर उपरीपुल बनाया जाना था, वहां दुर्घटनाओं में अब तक सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट में याचिका के कारण यह परियोजना 2018 से लटकी हुई थी। इसकी व्यावहारिकता की जांच के लिए 2020 में शीर्ष अदालत ने एक विशेषज्ञ समिति गठित की थी। अब इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि विकास और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच एक प्रतिस्पर्धा सदैव चलती रहती है। इसमें संदेह नहीं कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पारिस्थितिकी और पर्यावरण को

संरक्षित करने की आवश्यकता है, लेकिन देश के आर्थिक विकास और कभी-कभी नागरिकों की सुरक्षा के हित में विकास योजनाओं को रोका नहीं जा सकता। जाहिर है, अदालत के इस रुख का निहितार्थ यह है कि विकास और पर्यावरण साथ-साथ चल सकते हैं। इनमें संतुलन बनाया जा सकता है। लेकिन आम तौर पर देखें तो विकास और इससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान को लेकर दुनिया दो खेमों में बंटी नजर आ रही है। दोनों ही पक्षों के अपने-अपने तर्क हैं। दोनों के ही अपने संगठन और पैरवीकार हैं जो एक खास किस्म के अतिवाद के शिकार हैं। हालांकि सभी को पता है कि बीच का रास्ता निकालने से ही बात बनेगी। विकास के नाम पर आधारभूत परियोजनाओं, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन, खदानों, ताप बिजली संयंत्रों और धुआं उड़ाती गाड़ियों को ही देखा जाता है। लेकिन यह भी गौरतलब है कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी दुनिया काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। तकनीकी या आर्थिक विकास के बिना करीब सात अरब आबादी वाली इस धरती को बचा पाना मुश्किल है लेकिन अक्सर तकनीक के योगदान को अनदेखा कर दिया जाता है। सड़कों पर घूम रहे इलेक्ट्रिक वाहन भी विकास का एक चेहरा हैं। कल्पना की जा सकती है कि इंटरनेट, गूगल, ई-मेल ने कितने लाख टन कागज बचाए होंगे और कितने पेड़ों को कटने से बचाया होगा। बहुत कम लोगों को याद होगा कि चूल्हे से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने के लिए देश में पहला कानून 1905 में अंग्रेजों ने बंगाल में बनाया था। बाद में 1912 में यही कानून मुंबई में लागू किया गया। रसोई गैस ने महिलाओं को चूल्हे के दमघोंटू धुएं और न जाने कितनी बीमारियों से मुक्ति दिलाने के अलावा कितना बड़ा वन क्षेत्र बचाया होगा। ऐसे में यह बहस बेमानी है कि विकास पर्यावरण का विरोधी है और लोगों को पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रगति और सुरक्षा से समझौता करना सीखना चाहिए। विकास की गाड़ी को अवरुद्ध करने के बजाय उन चीजों पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए जिनसे प्रदूषण फैलता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

उफ! ये महंगाई...

अर्थव्यवस्था के आंकड़े चाहे जितने भी बेहतर स्थिति को दर्शा रहे हों, लेकिन आम लोगों का जीवन स्तर जिन जमीनी कारकों से प्रभावित होता है, उसी के आधार पर आकलन भी सामने आते हैं। पिछले करीब तीन सालों के दौरान कुछ अप्रत्याशित झटकों से उबरने के क्रम अब अर्थव्यवस्था फिर से रफ्तार पकड़ने लगी है, लेकिन इसके समांतर साधारण लोगों के सामने आज भी आमदनी और क्रयशक्ति के बरक्स जरूरत की वस्तुओं की कीमतें एक चुनौती की तरह बनी हुई हैं। यों लंबे समय के बाद बीते साल दिसंबर में खुदरा महंगाई दर में खासी गिरावट हुई थी और वह साल में सबसे नीचे यानी 5.72 फीसद पर चली गई थी। तब यह उम्मीद की गई थी कि अब देश शायद मुश्किल दौर से उबर रहा है और बाजार आम लोगों के लिए भी अनुकूल होने की राह पर है। लेकिन बाजार की यह गति देर तक कायम नहीं सकी। सिर्फ एक महीने बाद खुदरा मुद्रास्फीति की दर में एक बार फिर बड़ा उछाल आया है और वह पिछले तीन महीने के उच्च स्तर यानी 6.52 फीसद पर पहुंच गई है। यह चिंता की वजह इसलिए भी है कि भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआइ ने महंगाई की दर को दो से छह फीसद के दायरे में रखने का लक्ष्य तय किया हुआ है। जनवरी से पहले लगातार दो महीने के आंकड़े खुदरा महंगाई दर में कुछ राहत देते दिख रहे थे। लेकिन अब इसका छह फीसद की सीमा को पार करना बताता है कि महंगाई पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक की ओर नीतिगत दरों में बढ़ोतरी का भी असर ज्यादा कायम नहीं रह सका। गौरतलब है कि महंगाई के लगातार बेलगाम बने रहने के बीच इसकी रफ्तार थामने के लिए आरबीआइ ने कई बार रेपो दरों में भी बढ़ोतरी की है। इसका तात्कालिक असर भी पड़ता दिखा। लेकिन बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है और खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 5.94 फीसद पर जा पहुंची है। हालांकि सब्जियों के दाम फिलहाल नियंत्रण में हैं, लेकिन दूध, मसालों के अलावा ईंधन और प्रकाश वर्ग में कीमतों के इजाफे ने फिर मुश्किल पैदा की है।यह स्थिति इसलिए भी खतरे की घंटी है कि आरबीआइ इस समस्या के संदर्भ में फिर रेपो दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। यह अलग सवाल है कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए अपनाई गई मौद्रिक नीतियां किस स्तर तक कामयाब हो पाती हैं। जाहिर है, बाजार में खाने-पीने और रोजमर्रा की अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने न केवल आम जनता, बल्कि सरकार के माथे पर भी शिकन पैदा की है। वजह यह है कि महंगाई से परेशान लोगों ने लंबे समय से इसकी मार झेलते हुए इसकी वजहों को समझने की कोशिश की और संयम बनाए रखा। लेकिन महामारी के दौरान पूर्णबंदी सहित अन्य कई वजहों से आर्थिक मोर्चे पर छाई मायूसी के बादल अब छंटने लगे हैं और कहा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था एक बार फिर सामान्य होने की राह पर है। यानी चूंकि हालात में तेजी से बदलाव आ रहे हैं, इसलिए स्वाभाविक ही लोग बाजार के भी सामान्य और सबकी पहुंच में होने की उम्मीद करने लगे हैं। कुछ समय पहले जब खुदरा महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई थी, तब लोगों के बीच राहत का भाव स्पष्ट तौर पर देखा गया था। इसका कारण भी समझा जा सकता है।

105 जैन तीर्थयात्रियों का दल कुण्डलपुर बड़े बाबा के दर्शन कर वापस लौटा

जयपुर. शाबाश इंडिया

बड़जात्या परिवार सीकर वालों की ओर से आयोजित बड़े बाबा यात्रा का दल सकुशल जयपुर लौट आया। ज्ञातव्य है कि श्रीमती मंजू जैन एवं जय कुमार बड़जात्या परिवार की ओर से शादी की 36 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में आयोजित इस यात्रा दल ने जैन तीर्थ चांद खेड़ी, गोलाकोट, पपौराजी, आहारजी, फलहोड़ी–बड़गांव, द्रोणगिरी, नैनागिरी, पावागिरी एवं बड़े बाबा कुण्डलपुर के दर्शन पूजन के साथ ही ललितपुर में विराजित पूज्य मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस यात्रा दल में कमल-प्रेम बड़जात्या, गुलाबचन्द - तारा देवी बज, तजेन्द्र - संतोष पाटनी अनिल - सीमा छाबड़ा, पूनम - अनिता ठोलिया, महावीर - मैना बाकलीवाल, सुनील- आशा अजमेरा, विनोद - सरला छाबड़ा, अनिल सरोज बोहरा, महावीर प्रसाद कासलीवाल, ज्ञानचन्द - अनिता जैन, ईश्वरलाल - कंचन बड़जात्या, विजय- बीना बड़जात्या, हरीश - कल्पना बड़जात्या, सौरभ-दीपिका जैन, माहित - दिव्या जैन सहित 105 लोगों ने पुण्यार्जन

भगवान मुनिसुव्रतनाथ मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर

जैन युवाओं ने की भगवान मुनिसुव्रतनाथ एवं खड़गासन पार्श्वनाथ की शांतिधारा। विश्व में शांति की कामना एवं को लेकर किया गया महामस्तकाभिषेक

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर सहित सभी दिगम्बर जिनालयों मे भगवान मुनिसुव्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया जिसमें प्रमुख समाजसेवी शंभु कठमाणा के नेतृत्व में अनिल पराणा, रवि बोहरा, रोमांशु जैन शिवाड, राहुल जैन माधोराजपुरा, विमल जौंला एवं नवरत्न टोंग्या सहित दर्जनो युवाओं ने विश्व में शांति की कामना के लिए भगवान मुनिसुव्रतनाथ, शांतिनाथ, एवं भगवान पार्श्वनाथ की शांतिधारा की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर आर्यिका माताजी के सानिध्य में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने देव शास्त्र गुरु के साथ भगवान मुनिसुव्रतनाथ शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ की विशेष पूजा अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जयधोष के द्वारा भगवान मुनिसुव्रतनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मोक्ष कल्याणक लड्डू चढ़ाया। जौंला ने बताया कि शुक्रवार को शहर के सभी जैन मंदिरों में भगवान मुनिसुव्रतनाथ के समक्ष निर्वाण काण्ड बोलकर गाजेबाजे के साथ मोक्ष लड्डू चडाया। इस अवसर पर रामपाल चंवरिया, शंभु कठमाणा, महेन्द्र सारसोप, सुशील कटारिया, राहुल बोहरा, प्रेमचन्द गिन्दोडी, मुकेश बनेठा, नरेन्द्र जैन, राधेश्याम जैन, शिखरचंद सिरस, गोपाल कठमाणा मौजूद थे।

गणिनी आर्यिका श्री विमल प्रभा माताजी ससंघ का सीकर में मंगल प्रवेश

सीकर. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका श्री विमल प्रभा माताजी , ससंघ मंगल प्रवेश शुक्रवार को सीकर में हुआ। लाडनूं , सुजानगढ़ से मंगल विहार के दौरान पूज्य माताजी का आगमन सीकर में हुआ। विवेक पाटोदी ने बताया कि मंगल प्रवेश के दौरान आर्यिका संघ द्वारा सालासर रोड़ स्थित आचार्य धर्मसागर जी स्मारक स्थल से नगर के जिनमंदिरों के दर्शन करते हुये देवीपुरा स्थित श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर , देवीपुरा आगमन हुआ । पूज्य माताजी का मंगल प्रवचन श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ एवं इसके पश्चात समस्त संघ की आहारचर्या श्री चन्द्रप्रभु भवन मे सम्पन्न हुई। आशीष जयपुरिया ने बताया कि दोपहर माताजी के सानिध्य में धार्मिक कक्षा आयोजित हुई । इसके पश्चात रैवासा स्थित श्री दिगम्बर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र हेतु मंगल विहार हुआ।

मुनिसुव्रतनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव मनाया

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में स्थित आदिनाथ-भरत-बाहुबली त्रिमूर्ति जिनालय में मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मोक्षकल्याणक महामहोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम नवनिर्मित रजत पांडुक शिला पर श्री जी विराजमान किए गए एवं बीजाक्षरों से युक्त मंत्रोच्चार के द्वारा श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इस अवसर पर प्रथम अभिषेक करने का पुण्य लाभ विनोद कुमार नमन कुमार ऋषभ कुमार मित्तल परिवार को प्राप्त हुआ और प्रथम शांतिधारा का पुण्य लाभ सुरेंद्र कुमार शुभम कुमार सागर वाले परिवार को प्राप्त हुआ एवं द्वितीय शांतिधारा का पुण्य लाभ ब्र. रीना दीदी गणेश कुमार मोहित, शोभित, रोहित जैन ढाबला वाले परिवार को प्राप्त हुआ। सभी मांगलिक क्रियाएं प्रशांत आचार्य व आकाश आचार्य के कुशल निर्देशन में संपन्न हुई। जिन अभिषेक संपन्नता के बाद निर्वाण कांड व अर्घ्य समर्पित करते हुए मोक्ष प्राप्ति की भावना से निर्वाण लाडू समर्पित किया गया।

अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जैन धर्म के 20वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया गया

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में जैन धर्म के 20 वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक भक्ति भाव से मनाया गया, जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। प्रचार-प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि शुक्रवार 17 फरवरी को प्रातः कालीन बैला में भगवान मुनिसुव्रत नाथ के जयकारों के बीच पंचामृत अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांति धारा की गई। पूजा के दौरान भगवान मुनिसुव्रतनाथ मोक्ष कल्याणक के श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढ़ाया गया। सायंकाल महाआरती के बाद मुनिसुव्रत नाथ चालीसा का वाचन किया गया। तत्पश्चात भक्ति संध्या का आयोजन हुआ जिसमें मंदिर अध्यक्ष महावीर गंगवाल, महामंत्री दीपक (मुन्ना) वैद, कोषाध्यक्ष धर्म चंद्र वैद, चेतन जैन गंगवाल,अशोक पाटोदी, पवन चांदवाड, रीतेश गोलू वैद, पंकज जैन, राजेश वैद, आलोक पाटोदी, मनोज वैद, जिनेन्द्र जैन मेनका जैन, लक्ष्मी वैद, सपना जैन, मेघना वैद,गुणमाला देवी चांदवाड,रानी वैद आदि समाज बंधु उपस्थित रहे।

बैराठी फाउंडेशन की ओर से गरीब बच्चों को जूते वितरित किये

जयपुर. शाबाश इंडिया। बैराठी फाउंडेशन के तत्वावधान में बैराठी शू कंपनी प्रा.लि. की ओर से शिवरात्रि के अवसर पर गरीब बच्चों को फुटवियर वितरित किए गए। फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. सौरभ बैराठी ने बताया कि इस अवसर पर सान्तपुर आश्रम आबू रोड पर बच्चों को 1266 जूते वितरित किए गए। जूते मिलने के बाद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आ गई। बच्चों का कहना था कि उन्होंने हमेश प्लास्टिक के जूते ही पहने हैं ऐसे में उनका भी मन था कि वो भी कभी केनवाश शूज पहनें। उनकी यह तमन्ना पूरी करने के लिए उन्होंने बैराठी फाउंडेशन को धन्यवाद ज्ञापित किया। सौरभ बैराठी ने बताया कि बैराठी फाउंडेशन सामाजिक सेवा के कार्यों में भी सदैव अग्रसर रहता है। फाउंडेशन ने वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र और मंडा में 12 हजार पेड़ लगाए। कोरोना काल के दौरान कोरोना सेंटर्स के लिए एयर कंडीशनर, ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर उपलब्ध करवाए गए और जयपुर पुलिस को संक्रमण से बचाने के लिए 10 हजार एन-95 मास्कों का निशुल्क वितरण किया गया। इतना ही नहीं आमजन के लिए भी निशुल्क मास्क, सेनेटाइजर, पीपीई किट और होम्योपैथिक दवाइयों का वितरण किया गया। बारां के जिला अस्पताल में आईसीयू बेड की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। फाउंडेशन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सहायता कोष में भी समय-समय पर आर्थिक सहयोग देता रहता है। विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र रोड नं. 17 में पुलिस चौकी का निर्माण, एसडीएम कार्यालय चौमूं में बगीचे का निर्माण, वृत्ताधिकारी गोविंदगढ़ कार्यालय में विश्राम गृह का निर्माण, हिंगोनिया गौशाला में गौवंश के लिए आर्थिक सहयोग आदि ऐसे समाज सेवा के कार्य हैं जो समय-समय पर फाउंडेशन द्वारा किए जाते रहे हैं।

सखी गुलाबी नगरी ने वैलेंटाइन थीम पर म्यूजिकल अंताक्षरी करायी

कार्यक्रम के संयोजक अनीता जैन, सुषमा जैन, मोनिका जैन, नेहा जैन, नीमा जैन, निकिता जैन ने कड़ी मेहनत कर कार्यक्रम को संजोया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी ने मनोरंजक कार्यक्रमों की श्रृंखला में अपना कार्यक्रम ''**प्यार**'' एक खूबसूरत अहसास का आयोजन किया गया। संस्था की अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि सखी गुलाबी नगरी को सर्वप्रथम जलमहल का विजिट कराया गया। उसके पश्चात संस्था की ब्रांड एम्बेसेडर अलिशा जैन व संरक्षक राखी गंगवाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम आमेर रोड पर पिंकसिटी हेरिटेज में वैलेंटाइन थीम पर विशाल म्यूजिकल अंतक्षरी के साथ डांस व मस्ती की गई। सचिव स्वाति जैन ने बताया की हेरिटेज में ही ऑनलाइन कार्यक्रमों के पुरस्कारों का भी वितरण किया गया, जिसकी स्पान्सर संतोष जैन थी । सभी सदस्यों ने अल्पाहार के साथ अंताक्षरी का आनंद लिया। एंकर स्वेता ने अन्ताक्षरी के बीच प्यार एक खूबसूरत अहसास कैसे है इसके बारे में सदस्यों के विचार जानकर कार्यक्रम में खुशनुमा माहोल बना दिया। कार्यक्रम का सभी ने लुत्फ उठाया, कार्यक्रम के संयोजक अनीता जैन, सुषमा जैन, मोनिका जैन, नेहा जैन, नीमा जैन, निकिता जैन ने कड़ी मेहनत कर कार्यक्रम को संजोया। गेम्स खिलाकर उनका मनोरंजन किया, बस की व्यवस्था को रितु जैन, मनीषा जैन, आशा जैन, सुनीता जैन, अनीता जैन ने बखूबी सम्भाला। अध्यक्ष सारिका जैन ने अपने उद्बोधन में संरक्षक अनिला कोठारी , अलिशा जैन, राखी गंगवाल, कमेटी मेंबर्स, कॉर्डिनेटरस व सदस्यों का भी तहें दिल से धन्यवाद दिया। टीम भावना ही कार्यक्रम की सफलता का राज है। सदस्यों की बेहद माँग पर संस्था के आगामी वर्ष मे नये सदस्य बनाने की घोषणा की। सदस्यों ने कार्यक्रम व लजीज भोजन की सराहना की।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर मे मुनिसुव्रत भगवान का निर्वाण महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में भगवान मुनिसुव्रत जी का निर्वाण महोत्सव मनाया। अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड व मंत्री राजेंद्र काला ने बताया कि मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत श्रद्धालुओं द्वारा मोक्ष कल्याणक का अर्घ्य तथा निर्वाण लड्डू समर्पित किया गया।

जनकपुरी में मनाया गया भगवान मुनिसूव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक

जहाजपुर वाले मुनिसूव्रत नाथ का पढ़ा चालीसा

जयपुर. शाबाश इंडिया

बीस-धनू तन श्याम छवी, कछु-अंक हरी वर वंश बताई। सो मुनिसुव्रतनाथ प्रभू कहँ, थापत हूँ इत प्रीत लगाई। का मंत्रोंचार कर जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में सोमवार को जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर भगवान श्री 1008 मुनिसूव्रत नाथ का निर्वाण महोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया गया। मन्दिर समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि भगवान के पिता का नाम सुमित्र और माता का नाम पद्मावती था। ये भगवान राम के समकालीन माने गये हैं। उनका जन्म राजगृह (राजगिर) और निर्वाण सम्मेदशिखर पर हुआ था। कछुवा उनका चिह्न बताया गया है। मन्दिर में उत्तर की वेदी में विराजित मुनिसूव्रत नाथ के अभिषेक व पूजन के बाद समंतभद्राचार्य रचित तथा आचार्य विद्यासागर जी द्वारा भावार्थित मुनिसूव्रत नाथ गाथा बोली गई। इसके बाद निर्वाण काण्ड का वाचन किया गया तथा भगवान मुनिसूव्रत नाथ के मोक्ष कल्याण का अर्घ - वदि-बारसि-फागुन मोच्छ गये, तिहुँलोक-शिरोमणि सिद्ध भये। सु अनंत-गुनाकर विघ्न हरी, हम पूजत हैं मन-मोद भरी।। बोलते हुए निर्वाण लाडु , श्रीफल व दीपक प्रकाश चंद ,सुशील अजमेरा, अरविन्द, राजेश गंगवाल, देवेंद्र कासलीवाल, शिखर चंद ,महावीर कोठारी , कमलेश पाटनी, ज्ञान चंद,सोभाग अजमेरा ,राजेश फि रोजपुर महावीर बिंदायक्य सहित उपस्थित गणमान्य श्रावक श्रविकाओं द्वारा चढ़ाया गया । इसके बाद स्वस्ति भूषण माताजी रचित जहाजपुर वाले मुनिसूव्रत नाथ भगवान के चालीसा का पाठ मुनिसूव्रत प्रभु का जय बोलकर आरती की गई ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य में मुनिसुब्रतनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव मनाया गया

निमियाघाट, पारसनाथ. शाबाश इंडिया। 17 फरवरी को उत्कृष्ट साधना से परिपक्त अन्तर्मना के सानिध्य में निमियाघाट जैन मंदिर में प्रातः गुरु भक्ति के साथ सैकड़ो लोगो द्वारा अतिशय कारी चिंतामणि 1008 श्री पारसनाथ भगवान ओर 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का महमस्तिकाभिषेक किया गया। अभिषेक के साथ अन्तर्मना के मुखारविंद से विश्व शांति धारा वाचन किया गया इसके पश्चात 1008 मुनिसुब्रतनाथ भगवान की प्रतिमा के समक्ष पूजन के साथ निर्वाण लाडू भक्ति भाव के साथ चढ़ाया गया ।तत्पश्चात अन्तर्मना आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि एक निर्वाण कांड पढ़ने से 64 तीर्थ का दर्शन का पुण्य मिलता है और एक बार पहाड़ की वंदना करने से अनंतानंत पुण्य का संचय होता है। उन्होंने आगे कहा कि फूलों ने कभी भौरे को इनवीटेशन कार्ड नहीं दिया कि आओ मैं खिल गया हूँ, मेरा मकरंद लो। सूरज कभी नहीं कहता - मेरे में कितना तेज है। सांगर कभी नहीं कहता- मैं कितना गहरा हूँ । आज हम आलोचना सुनकर नहीं, बल्कि प्रशन्सा सुनकर बर्बाद हो रहे हैं। स्वयं की प्रशन्सा सुनकर फूलना यानि दुःख में कूलने का निमंत्रण है। आज हमारी सबसे बड़ी कमजोरी स्वयं की प्रशन्सा सुनना बन गया है। जब तक लोग हमारी प्रशन्सा करते हैं, गुणानुवाद करते हैं, तब तक वो हमारे परम मित्र है, परम भक्त है, परम हितैषी है। बल्कि होना ये चाहिए कि हम अपने गुणों को, सत्कार्यों को, नेक कार्यों को, इनता श्रेष्ठ बनायें जिससे सामने वाला आपको देखकर आपका मुरीद हो जायेगा। गुणों से प्रभावित होने वाले, हो सकता है वो आपकी, आपके सामने प्रन्शसा ना करे लेकिन मन ही मन आपको अपना आदर्श बना कर अपनी चेतना को प्रकाशित कर ले। इसलिए कोई भी कार्य करें तो प्रन्शसा सुनने की अपेक्षा ना रखें। अपने कार्य को इतनी इमानदारी और मनोभाव से करें, कि शत्रु भी आपकी सफलता एवं समर्पण के सामने नतमस्तक हो जाये.दिन में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के सभी पदाधिकारी गण आचार्य श्री को पूर्ण तैयारी की जानकारी दी ।इस कार्यक्रम में विशेष रूप से संघपति दिलीप जैन हुम्मद,आकाश जैन,बिट्टू जैन भोपाल,कोडरमा से आशीष जैन,पिंटू जैन,संजय ,राज कुमार अजमेरा,धनबाद से वंदना -मनोज जैन,गिरिडिह से राजन साह आदि उपस्थित थे ।
कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा।

तीये की बैठक

जैनदर्शन के अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मूर्धन्य विद्वान, युवा रत्न, जैन पथप्रदर्शक-वीतराग विज्ञान पत्रिका के सम्पादक, श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय के यशस्वी अध्यापक, हजारों साधार्मियों को धर्मामृत पान कराने वाले अध्यात्मवेत्ता

डॉ.संजीव कुमार जी गोधा

जयपुर का 17 फरवरी को शान्त परिणामों से देह परिवर्तन हो गया है। तीये की बैठक रविवार, दिनाँक 19 फरवरी को सुबह 10 .00 बजे श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-4, बापूनगर, जयपुर में रखी गई है। तीये की बैठक के पश्चात दोपहर 01 बजे से श्रद्धांजलि सभा रखी गई है।

महेन्द्र कुमार, आर्जव गोधा एवं समस्त परिवार

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक RK R K GROUP WONDER CEMENT
सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन
शनिवार, 25 फरवरी 2023
सायं 7.00 बजे से
स्थान : भट्टारक जी की नशियां, नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार (हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच (हास्य एवं राज. गीतकार)

श्री शम्भू शिखर (हास्य पैरोडी सम्राट)

श्री सुनील व्यास मुंबई (हास्य व्यंग्य)

श्री पी.के.मस्त (हास्य व्यंग्य)

स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला (श्रृंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त' (मंच संचालन)

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर
राजेश बड़जात्या (अध्यक्ष), अनिल जैन IPS (संस्थापक अध्यक्ष), यश कमल अजमेरा (निर्वतमान अध्यक्ष), पारस कुमार जैन (कोषाध्यक्ष), निर्मल संघी (महासचिव)

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
राकेश-समता गोदिका (अध्यक्ष), दिनेश-संगीता गंगवाल (परामर्शक), मनीष-शोभना लोंग्या (कार्याध्यक्ष), अनिल-अनिता जैन (कोषाध्यक्ष), अनिल-निशा संघी (सचिव)

आयोजन समिति
यश कमल-संगीता अजमेरा (मुख्य समन्वयक), दर्शन-विनीता बाकलीवाल (परामर्शक), मनीष - शोभना लोंग्या (समन्वयक), विनोद - हेमा सोगानी (सह-समन्वयक), चक्रेश -पिंकी जैन (सह-समन्वयक), राजेश - रानी पाटनी (सह-समन्वयक), अनिल-ज्योति जैन चौधरी (सह-समन्वयक)

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

SURYAVANSHI JEWELLERS
083025 81569
SB-155 A, Sawai Mansingh Rd, Tonk Road, Lalkothi, Jaipur, Rajasthan 302015

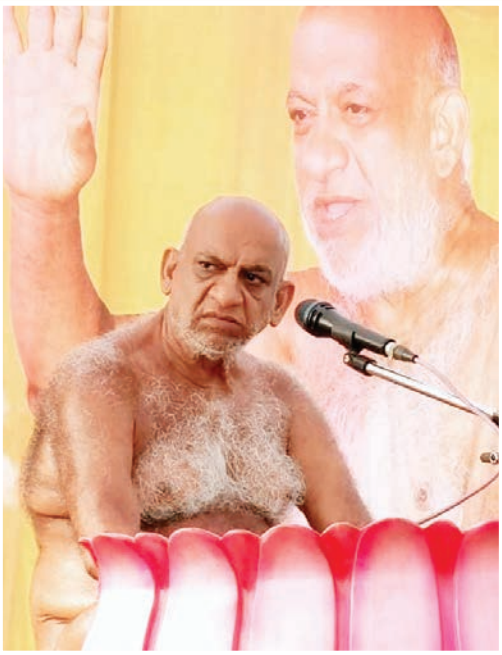

मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा...

ये पंच कल्याणक पूजा नहीं ये पंच कल्याणक साक्षात महा महोत्सव है

विशाल घटयात्रा के साथ श्री जी ने किया अयोध्या नगरी में प्रवेश, भव्य परेड के साथ ढौगा मैदान में हुआ ध्वजारोहण

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

ये पंच कल्याणक पूजा नहीं है ये पंचकल्याणक महा महोत्सव है ये पूजा की पर्याय नहीं है ये पूज्य की पर्याय है जब पूज्य की पर्याय प्रकट होती है तो साधना प्रकट होती है गर्भ कल्याणक पूज्य कि पर्याय है इन पंच कल्याणको में कोई पुजारी नहीं होता सौधर्म इन्द्र कोई रुपक नहीं है वे स्वयं आत्मा की पर्याय बन कर आयेंगे। अयोध्या नगरी की पवित्रता को समझना होगा उन जीवों का कितना पूण्य होगा जहां तीर्थकर बालक आते हैं जहां देव गर्भ में आने के छः माह पहले से तीनों समय रत्नो की वर्षा करते हैं प्रभु के गर्भ में आने के पहले ही सब सुख समृद्धि को प्राप्त कर लेते हैं। उक्त आश्य केउद्गार श्री मद् जिनेन्द्र त्रिकाल चौबीस पंच कल्याणक महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ में ध्वजारोहण समारोह को विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

भव्य रथयात्रा के साथ मुनि पुंगव संघ ने अयोध्या नगरी में प्रवेश किया

इसके पहले शहर के हृदय स्थल नंदीश्वर कॉलोनी स्थित आदिनाथ धाम त्रिकाल चौबीसी का पंचकल्याणक महा महोत्सव आज घट यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ आज प्रातः 7:00 नंदीश्वर कॉलोनी से विशाल घट यात्रा का जुलूस जिसमें महापात्र सौधर्मेंद्र कुबेर भगवान के माता पिता हाथी पर सवार होकर चल रहे थे। महायज्ञ नायक यज्ञ नायक भरत बाहुबली राजा सोम राजा श्रेयांश मंडलेश्वर महामंडलेश्वर बग्गी पर सवार होकर चल रहे थे। श्रीजी भगवान का रथ साथ में चल रहा था ।रथ को युवा मंडल के कार्यकर्ता रस्सी के सहारे खींच कर ले जा रहे थे। जुलूस में दलदल घोड़ी ढोल नगाड़े आचार्य भगवान का छायाचित्र साथ में चल रहे थे। निर्यापक मुनि श्री 108 सुधा सागर जी महाराज छुल्लक 105 गंभीर सागर जी महाराज जुलूस के बीच में चल रहे थे। महिला मंडल की 25 टीमें ग्रुप अपने अलग-अलग ड्रेस में घट यात्रा की शोभा बढ़ा रही थी। वीर व्यायामशाला आदिनाथ युवा मंडल नंदीश्वर युवक मंडल जय जिनेंद्र कार्यकारिणी केअनेक युवा साथी अलग - अलग परिधानों में चल रहे थे। शोभायात्रा में ब्रास बैंड,अहिंसा दिव्य घोष दयोदय बैंड जैन भजन गाते हुए आगे बढ़ रहे थे सबसे आगे युवा जैन ध्वज लहराते हुए आगे बढ़ रहे थे।

जैन आर्मी ने भव्य परेड के साथ किया प्रदर्शन

महोत्सव के मीडिया संयोजक प्रदीप जैन बम्होरी ने बताया कि 9:00 बजे घट यात्रा का जुलूस पंचकल्याणक स्थल पहुंचा जहां जैन रेजिमेंट एवं जैन आर्मी की तैयारी देख लोग अचंभित हुए। टीकमगढ़ के इतिहास में पहला अवसर है जब पंचकल्याणक महा महोत्सव मे जैन आर्मी एवं जैन रेजीमेंट द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न कराया गया हो। जैन रेजीमेंट एवं जैन आर्मी ललितपुर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली है। इस रेजीमेंट में टीकमगढ़ वीर व्यायामशाला के युवा साथ में थे बच्चों के द्वारा भी इस रेजीमेंट को सहयोग प्रदान किया गया।

शहर को ध्वजाओं तोरणद्वार से सजाया गया

श्री मद् जिनेन्द्र त्रिकाल चौबीस पंच कल्याणक महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के पूर्व संध्या से ही शहर के प्रमुख मार्गों को केशरिया ध्वजो तोरणद्वार रांगोली से भव्य रूप से सजाया सभारा गया था घरों को सुन्दर लाइटिंग के साथ रांगोली से सजाकर मुनि पुंगव के आने का इंतजार श्रद्धालू घर के आगे कर रहे थे घटयात्रा के साथ प्रभु के विमान जी आरती के साथ ही परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी के पाद प्रक्षालन कर आरती उतार कर भक्त जय जय कार कर रहे थे यहां घटयात्रा ढौगा मैदान स्थित अयोध्या नगरी पहुंचकर विशाल ध्वजारोहण समारोह में बदल गई।

महान आत्मा को प्रत्यक्ष वनाकर महोत्सव कर रहे हैं...

इसके पहले धर्म सभा में मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि आज हम सोच भी नहीं सकते कि ऐसा कोई महान व्यक्तित्व हुआ जिसे हम प्रत्यक्ष वनाकर आज यह महा महोत्सव करने जा रहे हैं कभी हुए थे तीर्थकर भगवान के पंच कल्याणक आज देखकर लगता है हुए नहीं थे आज पंच कल्याणक महा महोत्सव हो रहें हैं सभी को लगे कि कल तक ये दुनिया अनाथ थी आज उसे नाथ मिलेंगे जब ऐसी अनुभूति हमारे जीवन में आती है तब लगता है किहम महामहोत्सव करके एक पवित्र आत्मा को जीवित रख रहें हैं वे आज दुनिया के बीच नहीं है लेकिन हमें यह बताना है कि वे साक्षात है उनके पंच कल्याणक हम साक्षात मना रहे हैं वह महाशक्ति आज भी हमारे बीच है एक आत्मा कि पर्याय जगाना है।

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर के तत्वावधान में जैन मंदिर का शिलान्यास आज 18 फरवरी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर में मुहाना मंडी रोड़ जयपुर पर केसर चौराहे के पास पार्श्वनाथ नारायण सिटी विस्तार में शनिवार,दिनाँक 18 फरवरी 2023 को दोपहर 12.00 बजे जैन मंदिर का शिलान्यास जैन सोश्यल ग्रुप महानगर जयपुर के तत्वावधान में किया जायेगा। अध्यक्ष संजय छाबड़ा व सचिव अनुज जैन ने बताया कि यह जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फैडरेशन के इतिहास में पहला मौका होगा जिसमें किसी जैन सोश्यल ग्रुप के तत्वावधान में जैन मंदिर का शिलान्यास किया जा रहा है। इस आयोजन से समाज में महती धर्म प्रभावना बढ़ेगी। संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि शिलान्यास कार्यक्रम में श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर के अध्यक्ष उमराव मल संघी, श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, पवन पाटनी कालाडेरा, बाबूलाल पाटनी कालाडेरा, देवेन्द्र मोहन जैन, (रिटायर्ड मुख्य अभियन्ता, जलदाय विभाग) युवा समाजसेवी विनय जी सोगानी एवं जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन नार्दन रीजन के चेयरमैन इलेक्ट महेंद्र सिंघवी, आदि समाज श्रेष्ठीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आप सभी से अनुरोध हैं कि इस जैन मंदिर शिलान्यास कार्यक्रम में समयानुसार शामिल होकर धर्म लाभ उठाये।

जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन के इतिहास में पहली बार

स्टेबिन बेन ने आइआइएस की म्यूजिकल नाइट में भरा जोश

जयपुर. शाबाश इंडिया

आईआईएस विश्वविद्यालय के एनुअल फेस्ट कॉसमॉस 2023 (स्टारडस्ट) का लास्ट डे, सजा हुआ मंच, ग्रीन ग्रास ग्राउंड, स्टेबिन बेन के लिए तैयार रोमांच से भरपूर स्टूडेन्ट्स का क्राउड। शुक्रवार को कुछ ऐसा ही नजारा बॉलीवुड सिंगर स्टेबिन बेन की गायकी के साथ दिखा। बॉलीवुड के लोकप्रिय गायक स्टेबिन बेन को 'थोड़ा थोड़ा प्यार' 'इश्क दी फीलिंग', 'इननी सी गल', 'एक तू ही तो है', 'दुआ करो' और 'तू मिले दिल खिले', 'मेरा दिल कितना पागल है', 'बदन पे' जैसे हिट गानों के लिए जाना जाता है, जिनका युवाओं में बड़ा क्रेज है। इन गानों के साथ गर्ल्स के बीच पहुंच कर स्टेबिन ने जमकर सुर्खियां बटोरी।

JSG
Jain Social Groups
International Federation
Grow more to Serve more
Group No. 154

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर

के तत्वावधान में

जेएसजी के इतिहास में पहली बार

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर का

भव्य शिलान्यास समारोह

शनिवार, 18 फरवरी 2023
दोपहर 12.15 बजे

पार्श्वनाथ नारायण सिटी विस्तार
केसर चौराहे के पास,
मुहाना मंड़ी रोड़, जयपुर

समारोह के गौरवमयी अतिथिगण

श्री उमराव मल संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिग. जैन शिक्षा परिषद्, जयपुर

श्री प्रमोद पहाड़िया
कार्याध्यक्ष-श्री दिग. जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर

श्री पवन पाटनी
प्रमुख समाज सेवी कालाडेरा वाले

श्री बाबूलाल पाटनी
प्रमुख समाज सेवी कालाडेरा वाले

श्री देवेन्द्र मोहन जैन
(भूतपूर्व मुख्य अभियन्ता जलदाय विभाग)

श्री सुभाष चंद जैन
अध्यक्ष-राजस्थान जैन सभा जयपुर

श्री महेन्द्र सिंघवी
चेयरमैन इलैक्ट-जेएसजीआईएफ नार्दन रीजन

श्री विनय सौगानी
युवा समाज सेवी

-: निवेदक :-

संजय छाबड़ा (आंवा)
अध्यक्ष
83869 88888

प्रदीप जैन
संस्थापक अध्यक्ष
98290 51671

अनुज जैन
सचिव
98292 65165

एवं समस्त जेएसजी महानगर कार्यकारिणी

श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

कोटा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य राष्ट्रसंत मुनि श्री चिन्मय सागर जी महाराज जंगल वाले बाबा की पावन प्रेरणा से निर्मित 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर आर के पुरम में मुनिसुव्रतनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महा महोत्सव पूर्वक हर्षोल्लास मनाया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर जैन, महामंत्री पवन पाटौदी , कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने बताया कि प्रातः काल मंगलाष्टक के बाद 108 रिद्धि मंत्रों से प्रथमाभिषेक बाबूलाल जैन श्रीमती विमला जैन परिवार जन ने किया।

अभिषेक के बाद मूलनायक मुनिसुव्रत नाथ भगवान पर शांतिधारा करने का अवसर

कैलाश चंद-राजकुमारी जैन ने सौभाग्य प्राप्त किया। भगवान मुनिसुव्रतनाथ पाण्डुशिला पर शांतिधारा हरकचंद-पदमा जैन परिवार जन एवम माणक चंद-लाड़ देवी जैन ने पुण्यार्जन लिया। मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि ने बताया विधि विधान की क्रियाएं पंडित अभिषेक शास्त्री के सफल निर्देशन में की गई। सभी पांडु शिला एवम भुतकालीन चौबीसी पर शांति धारा जय जय कारो के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सानंद संपन्न हुई। उसके बाद अष्टानिका पर्व विधान के मुख्य पात्रों का चयन भी किया गया। तत्पश्चात भगवान की पूजन श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धा भक्ति और भाव से झूमते हुवे की गई। निर्वाण लाडू के पूर्णयार्जक टीकमचंद-प्रमिला जैन परिवारजन एवम श्रीमती चंद्रकला, सुरेश, पंकज, लोकेश जैन परिवारजन द्वारा चढ़ाया गया। रात्रि में भक्तामर आराधना एवम महाआरती संगीत की सुमधुर ध्वनियों के साथ झूमते नाचते हुवे 108 मंगल दीपकों से की गई।

स्मृति शेष : डा .संजीव गोधा

युगों-युगों तक स्मरण किया जाता रहेगा

शाबाश इंडिया

अध्यात्म जगत में अपने प्रवचनों की धूम मचाने वाले डॉक्टर संजीव गोधा अब नहीं रहे; इस हृदय विदारक समाचार ने सभी को हतप्रभ कर दिया। विश्व पटल पर जैन धर्म की अद्वितीय प्रभावना में योगदान देने के लिए आपको युगों युगों तक स्मरण किया जाता रहेगा ।26 नवंबर 1976 को राजस्थान की गुलाबी नगरी जयपुर में आपका जन्म हुआ था। आपके पिता श्री महेन्द्र कुमार गोधा द्वारा आपको बचपन से ही धार्मिक संस्कारों में ढाला गया। आपने इतिहास एवं जैन विद्या व तुलनात्मक धर्म दर्शन विषय में एम.ए. तथा जैन दर्शन में एम फिल कर तीन लोक विषय में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। आपकी कृति ''**कालचक्र**'' ने आपकी ख्याति में चार चांद लगा दिए। 47 वर्ष की लघु वय में आपके द्वारा 13 पुस्तकों का संपादन व 32 से अधिक लेखों का प्रणयन किया गया जो सभी प्रकाशित हैं। सन 1998 से आप जयपुर से प्रकाशित आध्यात्मिक

मासिक पत्रिका वीतराग विज्ञान हिंदी के सह संपादक व जैनपथ प्रदर्शक पाक्षिक के संपादक रहे। लोकप्रिय प्रवचनकार के रूप में आपने अपार ख्याति अर्जित की है। जयपुर के ऐतिहासिक प्राचीन दिगंबर जैन पंचायत तेरापंथ बड़ा मंदिर जो टोडरमल जी के मंदिर के नाम से विख्यात है उसमें आपके नियमित प्रवचन होते रहे हैं। वर्ष 1993 से अब तक आपके 28 हजार से अधिक प्रवचन एक रिकॉर्ड है। सन् 2011 से आप प्रतिवर्ष लगभग 2 माह विदेश में जैन धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु जाते रहे हैं। आपने इस अवधि में 17 से अधिक बार अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, अफ्रीका, सिंगापुर तथा आस्ट्रेलिया आदि देशों के लगभग 40-50 शहरों में अपने प्रवचनों की धूम मचाई है। जुलाई -21 से प्रतिदिन रात्रि 10:00 बजे पारस चैनल तथा अन्य जिनवाणी व आदिनाथ चैनलों पर आप के प्रवचनों की लोकप्रियता ने आपको फर्स से अर्स पर पहुंचा दिया। यूट्यूब चैनल पर भी आपके नियमित प्रवचन उपलब्ध हैं। देश-विदेश की समाज एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा आपको समय-समय पर विविध अवार्ड सम्मान, पुरस्कार एवं उपाधियों से अलंकृत किया जाता रहा है। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद द्वारा युवा रत्न व पंडित टोडरमल पुरस्कार, श्रवणबेलगोला में आयोजित युवा सम्मेलन में आदर्श जैन युवा राष्ट्रीय सम्मान, शिकागो (अमेरिका) द्वारा अति विशिष्ट सेवा अवार्ड,उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान लखनऊ द्वारा अध्यात्म चक्रवर्ती,परमागम ट्रस्ट सोनागिर द्वारा अध्यात्म वेत्ता के अतिरिक्त अनेक संस्थाओं द्वारा उपाध्यायकल्प आदि उपाधियों सहित आचार्य समंतभद्र पुरस्कार, युवा जैन रत्न सम्मान व कुंदकुंद ज्ञानपीठ द्वारा अर्हत वचन पुरस्कार दिए जा चुके हैं।आप अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ,अ.भा. दिगम्बर जैन विद्वतपरिषद् तथा अ.भा.जैन युवा फैडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विभिन्न पदों को सुशोभित करते रहे। विधि का विधान टाला नहीं जा सकता। लगभग एक माह की अस्वस्थता के पश्चात 17 फरवरी को आपका आकस्मिक निधन हो गया। आपका एक बेटा आर्जव है जो टोडरमल सिद्धांत महाविद्यालय में अध्ययनरत है। हमें आप जैसे विद्वान पर गर्व है। आप शीघ्र भव का अभाव कर सिद्धालय में विराजमान हों यही भावना है।